PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Wed, 14 Jun 2017, Page 18
Width: 27.25 cms, Height: 18.69 cms, a3r, Ref: 42.2017-06-14.113

40 हजार यात्री बोगियों को सुरक्षित करेगा रेलवे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पुराने स्टाइल की आइसीएफ बोगियों को एलएचबी कोच की तरह सुरक्षित व आरामदेह बनाने के मिशन का रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने आगाज किया है। इसे मिशन रेट्रोफिटमेंट नाम दिया गया है। इसमें एक तिहाई काम रेलवे करेगा, जबकि दो तिहाई जिम्मेदारी निजी क्षेत्र को सौंपी जाएगी।

इस योजना के तहत 2022-23 तक 32 हजार आइसीएफ बोगियों में एलएचबी कोच की तरह के सेंट्रल बफर कपलर (सीबीसी) लगाए (रेट्रोफिटमेंट) जाएंगे। सीबीसी लगने के बाद दुर्घटना की स्थिति में बोगियां एक-दूसरे के ऊपर नहीं चढ़ती हैं। इससे जान-माल का नुकसान सीमित हो जाता है। हर साल कितनी बोगियों में सीबीसी लगाए जाएंगे, इसकी योजना बना ली गई है। जिसके तहत 2017-18 में 2000 बोगियों में, 2018-19 में 5000, 2019-20 में 5500, 2020-21 में 7000 तथा 2022-23 में 5500 बोगियों के कपलर बदलकर नए सीबीसी कपलर लगाएं जाएंगे। आगे चलकर इसे 40 हजार बोगियों तक ले जाया जाएगा।

यही नहीं, कपलर बदलने के साथ-साथ बोगियों की आंतरिक साज-सज्जा में भी सुधार (रीफर्बिशमेंट) कर उन्हें हमसफर ट्रेन की बोगियों जैसा अधिक

सुरेश प्रभु, रेल मंत्री

आरामदेह तथा सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। जिसके अनुसार, चालू वित्त वर्ष में 1000, उसके अगले साल 3000, फिर 5000, 5500, 5500 तथा 5000 बोगियों की आंतरिक सज्जा सुधारी जाएगी। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक कोच के रेट्रोफिटमेंट तथा रीफर्बिशमेंट में 30 लाख रुपये का खर्च आएगा। इस तरह 40 हजार कोच पर कुल 12 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। रेलमंत्री प्रभु ने कहा कि 'यह चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसे अकेले रेलवे पूरा नहीं कर सकती है। रेलवे हर साल केवल 1500 कोच का रेट्रोफिटमेंट और रीफर्बिशमेंट कर सकती है। बाकी कार्य निजी कंपनियों से कराया जाएगा। तीन-चार कंपनियां पहले से इसके लिए तैयार हैं। जबकि 5-6 नई कंपनियों को तैयार किया जा रहा है।'